

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौंडियाल  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,  
नैनीताल / उधमसिंह नगर / अल्मोड़ा /  
पिथौरागढ़ / बागेश्वर / चम्पावत / देहरादून / पौड़ी / टिहरी /  
चमोली / उत्तरकाशी / रुद्रप्रयाग / हरिद्वार।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक: 31 जुलाई 2009

विषय:

वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु बैंक वित्त ब्याज उपादान स्वतः रोजगार योजना (जिला योजना) में  
धनराशि स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई 2009 एवं शासनादेश संख्या 1065/VII-2-09/479-उद्योग/2007 दिनांक 27.5.2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 के अन्तर्गत बैंक वित्त ब्याज उपादान स्वतः रोजगार योजना हेतु लेखानुदानान्तर्गत स्वीकृत धनराशि को सम्मिलित करते हुए समस्त धनराशि निम्न विवरणानुसार कुल ₹ 70.00 लाख (रु० सत्तर लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

जनपद का नाम	स्वीकृत की जा रही धनराशि(रु० लाख में)
नैनीताल	3.44
उधमसिंह नगर	3.24
अल्मोड़ा	7.61
पिथौरागढ़	12.34
बागेश्वर	5.57
चम्पावत	3.20
देहरादून	4.19
पौड़ी	2.30
टिहरी	3.43
चमोली	12.09
उत्तरकाशी	3.40
रुद्रप्रयाग	4.93
हरिद्वार	4.26
कुल योग	70.00

2- उक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर इस आशय से स्वीकृत की जा रही है कि व्यय उन्हीं मदों में किया जाये जिसमें धनराशि स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता नितांत आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने पर बजट मैनुअल अथवा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक: 31.03.2010 तक उपयोग कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध कराया

जायेगा। व्यय के पश्चात् यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक 31.03.2010 तक शासन को समर्पित किया जायेगा।

4- धनराशि के आहरण के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त योजनायें जिला विकास एवं अनुश्रवण समिति द्वारा जनपदवार अनुमोदित प्लान परिव्यय एवं अनुमोदित योजनाओं पर ही व्यय की जा रही हैं।

5- उक्त जिला योजना में जिला अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार परिव्यय/योजनाओं के अनुरूप ही सैक्टरवार व्यय किया जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जायेगा।

6- स्वीकृत धनराशि जिला अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार परिव्यय/योजनाओं के अनुरूप ही सैक्टरवार व्यय किया जायेगा एवं धनराशि का व्यय वित्त विभाग के उपरोक्त शासनादेश दिनांक 28 जुलाई 2009 में उल्लिखित निर्देशानुसार किया जायेगा।

7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 105-खादी ग्रामोद्योग, 91-जिला योजना, 01-बैंक वित्त ब्याज उपादान स्वतः रोजगार योजना, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई 2009 के प्रस्तर-7 में इंगित निर्देशानुसार निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीया,

(डा० हेमलता ढौंडियाल)  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1763/VII-2-09/479-उद्योग/2007, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
6. निदेशक, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड।
7. मुख्य कार्यपालक अधिकारी, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, उत्तराखण्ड।
8. समस्त जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, खादी बोर्ड, उत्तराखण्ड।
9. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
10. अपर सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 11. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. वित्त अनुभाग-2
13. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

  
(डा० हेमलता ढौंडियाल)  
अपर सचिव।